Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Issue regarding 'Paika' revolution.

श्री अनुभव मोहंती (केन्द्रपाड़ा): सर, धन्यवाद । 'सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा ।' सर, पूरे विश्व में भारतवर्ष का इतिहास सर्वोच्च कोटी का रहा है । हम आजादी का 75वां साल मना रहे हैं, अमृत महोत्सव मना रहे हैं । इससे पहले जब मैं राज्य सभा में था तो तीन दिन तक कॉस्टिटयूशन ऑफ इंडिया पर डिबेट हुई थी । मुझे तब भी बहुत तकलीफ हुई थी कि किसी ने भी पाइको विद्रोह के बारे में जिक्र नहीं किया था । वह अंग्रेजों के खिलाफ पहला वार ऑफ इंडिपेंडेंस था । आज तक फर्स्ट वार ऑफ इंडिपेंडेंस 1857 को माना गया है, लेकिन 1857 से 40 साल पहले 1817 में बक्शी जगबंधु जी के नेतृत्व में पाइको विद्रोह शुरू हुआ था, जो 1825 तक चला था, जिसने अंग्रेजों की जड़ें हिलाकर रख दी थीं । जब पूरे भारत में अंग्रेज हर जगह पर अपना दबदबा रखे हुए थे, तब ओड़िशा की एक जगह खोरधा थी । वहां के जो पाइको थे, उन्होंने अंग्रेजों की जड़ें हिलाकर रख दी थी, इसलिए माननीय मुख्य मंत्री श्री नवीन पटनायक जी ने वर्ष 2017 में तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह जी को भी पत्र लिखकर इस बारे में चर्चा की थी । उन्होंने उनसे अनुरोध किया था कि इसको फर्स्ट वार ऑफ इंडिपेंडेंस की मान्यता मिले और वर्ष 2017 में उसको 200 साल पूरे होने पर दिल्ली में बड़ा महोत्सव मनाया गया था । उसमें तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी जी भी उपस्थित थे और तत्कालीन एचआरडी मिनिस्टर प्रकाश जावड़ेकर जी ने प्रेस रिलीज में बोला था कि पाइको विद्रोह को सबसे पहले युद्ध की मान्यता दी जाएगी और यह स्कूलों के सिलेबस में भी रहेगा ।

अध्यक्ष जी, मैं बड़े दुख के साथ कहना चाहता हूँ कि अभी कुछ दिन पहले माननीय मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी जी, जो यहां पर उपस्थित हैं, उन्होंने कहा था कि यह क्लास आठवीं में केवल केस स्टडी के हिसाब से सिलेबस में रहेगा । इसको फर्स्ट वार ऑफ इंडिपेंडेंस का दर्जा नहीं मिलेगा । पूर्वी भारत के जो बलिदानी, सेनानी, संग्रामी, जिन्होंने अपनी जान देकर, अपना सब कुछ गंवाकर,

त्याग करके भारत माता की इज्जत बचाने के लिए, स्वाधीनता लाने के लिए सब कुछ न्यौछावर कर दिया, जैसे बक्शी जगबन्धु, बिरसा मुंडा, जय राजगुरू, पिण्डकी बाहू बलेन्द्र आदि कई स्वाधीनता सेनानी रहे हैं । ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी मांग क्या है?

श्री अनुभव मोहंती : सर, मैं अपनी बात खत्म कर रहा हूं । उन लोगों के बलिदान को ऐसे जाया न होने दें । पूर्व से रोज सूर्योदय होता है, उस खूबसूरत सूर्योदय पर ग्रहण कैसे न लगे, यह देखना मौजूदा सरकार की जिम्मेदारी है । इसलिए यह फर्स्ट वार ऑफ इंडिपेंडेंस सिर्फ ओडिशा का नहीं, ओडिशा की साढ़े चार करोड़ जनता का ही नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के भारतीयों का हक है । यह हमारे स्वाभिमान से जुड़ा हुआ है और हमारी भारत माता के स्वाभिमान से जुड़ा हुआ विषय है । ... (व्यवधान)

संस्कृति मंत्री; **पर्यटन मंत्री तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी):** अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूं । अभी माननीय सांसद जी ने पाइको विद्रोह के नाम पर बोला है । मैं रिकॉर्ड स्ट्रेट करना चाहता हूं । नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार पाइको आन्दोलन को विद्रोह नहीं मानती है, इसे पाइको इंडिपेंडेंस मूवमेंट मानते हैं । इसलिए हमें विद्रोह शब्द का यूज नहीं करना चाहिए । दूसरा, उन्होंने इसे पहली इंडिपेंडेंस मूवमेंट के रूप में रिकग्नाइज करने की जो बात कही है, उसमें हम असेसमेंट कर रहे हैं । ... (व्यवधान) हम इसे विद्रोह के नाम पर नहीं मानते हैं, हम इसे इंडिपेंडेंस मूवमेंट के रूप में मानते हैं । ... (व्यवधान)